HIN1B09a_cours-03-2013-02-11

वैलंटाइन डे

यूरोप में लोग 14 फरवरी को 'वैलंटाइन डे' मनाते हैं। कहा जाता है कि रोम के शासक क्लाउडियस ने सैनिकों की शादी पर रोक लगा दी थी। सैनिकों की शादी क़ानून के ख़िलाफ़ थी। लेकिन वैलंटाइन नाम के एक संत थे जो रोम में चुपके से सैनिकों की शादी करवाते थे। इस अपराध के लिए उन्हें जेल में डाल दिया गया। उन्हीं की याद में यह त्यौहार हर साल 14 फरवरी को मनाया जाता है। यूरोप में इस त्यौहार को जवान तथा बुज़ुर्ग सभी मनाते हैं। पर इस दिन सरकारी दफ़्तर बन्द नहीं होते। इस दिन दो प्रेमी एक-दूसरे को उपहार देते हैं और एक साथ कहीं घूमने जाते हैं। कुछ लोग छुट्टी मनाने विदेश भी जाते हैं।

भारत में भी आजकल यह त्यौहार मनाया जाता है। ख़ासकर नयी पीढ़ी के लोगों को यह त्यौहार बहुत पसन्द है। जवान लड़के-लड़कियाँ इस दिन एक-दूसरे को कार्ड भेजते हैं जिस पर 'आइ लव यू' लिखा होता है। हर साल जवान लोग इस त्यौहार का बेसब्री से इन्तज़ार करते हैं। लेकिन बुज़ुर्ग लोगों को इस त्यौहार से बहुत नफ़रत होती है। बुज़ुर्ग लोग कहते हैं कि शादी से पहले किसी को प्रेम करने की इजाज़त नहीं। उनका मानना है कि पश्चिमी संस्कृति ने भारत के जवानों को बिगाड़ दिया है। अतिवादी लोग इस मौक़े पर विरोध-प्रदर्शन भी करते हैं। दो-तीन साल पहले महाराष्ट्र और पंजाब में कुछ लोगों ने 'वैलंटाइन डे' मनाने वाले जवान लोगों की पिटाई की।

(1) 'वैलंटाइन डे' कब मनाया जाता है?
(2) 'वैलंटाइन डे' क्यों मनाया जाता है?
(3) संत वैलंटाइन को जेल में क्यों डाला गया?
(4) 'वैलंटाइन डे' के दिन लोग क्या करते हैं?
(5) भारत में 'वैलंटाइन डे' कौन मनाता है?
(6) भारत में 'वैलंटाइन डे' के दिन लोग क्या करते हैं?
(7) बुज़ुर्ग लोग 'वैलंटाइन डे' के बारे में क्या सोचते हैं?
(8) बुज़ुर्ग लोगों को 'वैलंटाइन डे' से नफ़रत क्यों है?
(9) अतिवादी लोग 'वैलंटाइन डे' के बारे में क्या सोचते हैं?
(10) अतिवादी लोगों ने जवान लोगों की पिटाई क्यों की?